भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 76

07 फरवरी, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: बाजार मूल्य और एमएसपी में अंतर

76*. श्री उत्तम कुमार रेड्डी:

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2019 से वर्ष-वार कितने दिन धान, मक्का, तूर, उड़द, मूंग और मूंगफली के लिए बाजार मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के समान या उससे अधिक था;

(ख) 2019 से उपर्युक्त फसलों के लिए बाजार मूल्य और एमएसपी के बीच औसत प्रतिशत अंतर के आंकड़े राज्य-वार और वर्ष-वार क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) और प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) पर सरकार द्वारा कितना व्यय किया गया है; और

(घ) इस अवधि के दौरान पीएसएस, एमआईएस और पीएम-आशा योजनाओं के तहत फसल- वार कितनी मात्रा में खरीदारी की गई?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'बाजार मूल्य और एमएसपी में अंतर' के संबंध में दिनांक 07.02.2023 को देय लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 76* के उत्तर के भाग (क) से (घ) के संबंध में विवरण।

(क) से (घ): सरकार, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफ़ारिशों के आधार पर संबंधित राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के अभिमतों और अन्य संगत कारकों पर विचार करने के पश्चात 22 अधिदेशित कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और गन्ने के लिए उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) का निर्धारण करती है। एमएसपी की घोषणा हर साल बुवाई के मौसम से पहले की जाती है ताकि किसान किसी फसल विशेष की बुवाई के लिए एक सूचित निर्णय ले सकें। एमएसपी की सिफारिश करते समय, सीएसीपी भूमि, जल और अन्य उत्पादन संसाधनों का युक्तियुक्त उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ कारकों जैसे समग्र मांग-आपूर्ति की स्थिति, उत्पादन की लागत, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कीमतें, अंतर-फसल मूल्य समता, कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तें, शेष अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभाव पर विचार करता है। इसके अतिरिक्त, किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 2018-19 के अपने केंद्रीय बजट में एमएसपी को उत्पादन लागत के डेढ़ गुना के स्तर पर बनाए रखने के पूर्व-निर्धारित सिद्धांत की घोषणा की थी। तदनुसार, सरकार ने कृषि वर्ष 2018-19 से अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत के मुनाफे के साथ सभी अधिदेशित खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है।

एमएसपी नीति के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों के माध्यम से धान और गेहूं के मूल्य समर्थन का विस्तार करती है। इसके अलावा, समग्र योजना पीएम-आशा के अंतर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत पंजीकृत किसानों से उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के तिलहनों, दलहनों और कोपरा की खरीद संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से एमएसपी पर निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार तब की जाती है जब इन उत्पादों का बाजार मूल्य एमएसपी से कम हो जाती है। 2019-20 से पीएम-आशा और एमआईएस योजनाओं पर केंद्र सरकार द्वारा किया गया व्यय निम्नानुसार है:

वर्ष	**व्यय (करोड़ रूपए में)**
2019-20	2317.78
2020-21	1357.80
2021-22	2290.32

2019-20 से पीएसएस के अंतर्गत खरीदी गई मात्रा/खरीददारी का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) ऐसे कृषि/बागवानी जिन्सों की खरीद के लिए भी लागू की गई है जो नाशवान प्रकृति की होती है और जिनके लिए एमएसपी की घोषणा नहीं की गई है।

एमएसपी की घोषणा उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) वाले अधिदेशित फसलों के लिए पैन इंडिया आधार पर प्रत्येक कृषि वर्ष के खरीफ और रबी विपणन मौसम के लिए की जाती है। कृषि उत्पादों के बाजार मूल्य स्पॉट मूल्य है तथा विभिन्न कारकों जैसे उत्पाद की गुणवत्ता, किस्म, मौसम-तत्व, आवक, स्टॉक की उपलब्धता और कृषि अवसंरचना तथा परिवहन को समर्थ बनाने से प्रभावित होती है; कृषि उत्पादों के एमएसपी से इनकी तुलना करना समीचीन नहीं होगा।

अनुबंध

दिनांक 07-02-2023 को देय लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 76 के उत्तर के संबंध में उल्लिखित अनुबंध

2019-20 से 2022-23 (31.01.2023 तक) तक पीएसएस के तहत एमएसपी पर खरीदी गई दलहन, तिलहन और कोपरा का खरीद विवरण	
वर्ष/श्रेणी/जिन्स	**खरीद मात्रा (मिट्रिक टन में)**
2019-20	**43,97,588.68**
तिलहन	**15,43,187.86**
कोपरा	313.84
मूंगफली	7,23,085.62
सरसो बीज	8,03,843.64
सोयाबीन	10,677.68
सूरजमुखी बीज	5,267.08
दलहन	**28,54,400.82**
चना	21,58,434.06
मसूर	1,433.68
मूंग	1,47,130.39
तूर	5,47,270.38
उड़द	132.31
2020-21	**11,12,259.19**
तिलहन	**2,95,212.34**
कोपरा	5,088.92
मूंगफली	2,86,233.33
सरसो बीज	0.68
सोयाबीन	3.69
सूरजमुखी बीज	3,885.72
दलहन	**8,17,046.85**
चना	6,37,545.78
मसूर	18.35
मूंग	1,67,391.20
तूर	11,004.46
उड़द	1,087.06
2021-22	**31,82,591.64**
तिलहन	**1,51,634.73**
कोपरा	32.95
मूंगफली	1,49,696.34
सूरजमुखी बीज	1,905.44
दलहन	**30,30,956.91**
चना	26,29,460.83
मूंग	3,63,274.09
तूर	36,184.14
उड़द	2,037.85
2022-23	**1,68,046.19**
तिलहन	**47,926.50**
कोपरा	40,849.36
मूंगफली	7,077.14
दलहन	**1,20,119.69**
मूंग	1,20,109.94
उड़द	9.75

नोटः- खरीफ 2018-19 मौसम के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में पीडीपीएस के तहत 16.83 लाख मिट्रिक टन सोयाबीन की मात्रा का समर्थन किया गया था।

*****